आमोखस व मिडिया की खबरों व प्रथम समाचार पत्र

RNI No. UPHIN/2012/47484

जननायक सम्राट

बर्ष :13 अंक :338 पृष्ठ -4 दिनांक 12 दिसम्बर 2024 दिन गुरूवार

16 दिसंबर से शुरू हो रहा यूपी विधानसभा का शीतकालीन सत्र

17 दिसंबर को अनुपूरक बजट पेश होगा. यह अनुपूरक बजट महाकुंभ पर केंद्रित होगा जो करीब 10,000 करोड़ के होने की संभावना

उत्तर प्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र को लेकर के कार्यक्रम जारी हो गया है. इस बार सत्र की शुरुआत 16 दिसंबर से हो रही है. वहीं 17 दिसंबर को अनुपूरक बजट पेश होगा. यह अनुप. ूरक बजट महाकुंभ पर केंद्रित होगा जो करीब 10,000 करोड़ के होने की संभावना है. यह योगी सरकार का दूसरा अनुपूरक बजट होगा, जबकि पहला अनुपूरक बजट जुलाई में पेश हुआ था, यह अनुपूरक बजट 12,209 करोड रुपए का था.अनुपूरक बजट को लेकर यह माना जा रहा है की इसका एक बड़ा हिस्सा महाकुंभ को लेकर होगा. जिसमें परिवहन विभाग, नगर विकास विभाग सहित कुंभ से जुड़े हुए अन्य विभागों को आवंटित किया जाएगा. वहीं औद्योगिक विकास और एमएसएमई को भी बजट में हिस्सा दिए जाने की उम्मीद है. अनुपूरक बजट को लेकर सभी विभागों से प्रस्ताव मांगे गए हैं.शीतकालीन सत्र को लेकर जारी कार्यक्रम के अनुसार पहले दिन 16 दिसंबर को औपचारिक काम के साथ अध्यादेश अधिसूचनाएं व नियम आदि विधानसभा के पटल पर रखे जाएंगे. इसके साथ ही विधायी कार्य होंगे, दूसरे दिन 17 दिसंबर को भी अध्यादेश अधिसू. चनाएं और नियम आदि सदन के पटल पर रखे जाएंगे. इसी दिन दोपहर में 12रू30 बजे 2024–25 का दूसर अनुपूरक बजट पेश किया जाएगा.तीन दिन होंगे विधायी कार्य अनुपूरक बजट पेश होने के बाद 18 दिसंबर को अनुपूरक बजट की अनुदान मांगों पर चर्चा के बाद इसे सरकार पारित कराएगी, इसके बाद विधायी कार्य भी होंगे. वहीं 19 दिसंबर और 20 दिसंबर को विधायी कार्य होंगे. 20 दिसंबर को सदन आधे दिन ही संचालित होगा. हालांकि इस दौरान सपा के द्वारा संभल

हिंसा पर विधानसभा में हंगामा होने के आसार हैं.सपा के लिए यह दूसरा सत्र है जब अखिलेश यादव विधानसभा में मौजूद नहीं रहेंगे. वहीं दूसरी ओर बीते सत्रों के दौरान जातिगत जनगणना की मांग का मुद्दा इस बार भी विधानसभा में उठाया जा सकता है. बता दें कि विधानसभा सत्र शुरू होने से पहले ही उपचुनाव में जीत हुए एनडीए के सदस्यों का शपथ ग्रहण हो चुका है.

अपहरण मामले में पुलिस जल्द कर सकती है खुलासा, मेरठ के थाने पहुंची सुनील पाल की पत्नी

कॉमेडियन सुनील पाल के अपहरण को लेकर पुलिस जल्द ही बड़ा खुलासा कर सकती है। आज सुनील पाल की पत्नी मेरठ के लालकुर्ती थाना पहुंची हैं। कॉमेडियन व एक्टर सुनील पाल के अपहरण के मामले में मंगलवार को नया मोड़ आ गया। सुनील पाल की दो ऑडियो वायरल हुए हैं, जिसके बाद यह मामला अपहरण की बजाय पब्लिसिटी स्टंट के किया गया नाटक या कुछ और लग रहा है। हालांकि ये ऑडियो ओरि. जनल हैं या फेक, इसकी भी जांच की जानी बाकी है। इनमें सुनील पाल की ही आवाज लग रही है।हालांकि अमर उजाला इन ऑडियो की पुष्टि नहीं करता है। वहीं इस मामले में बुधवार को उनकी पत्नी मेरठ के लालकुर्ती थाना पहुंची, जहां उन्होंने पुलिस अधिकारियों से बातचीत की। इस दौरान मीडिया से उन्होंने कोई बात नहीं की। कहा जा रहा है कि मेरठ पुलिस इस मामले में जल्द ही बड़ा खुलासा कर सकती है।

उत्तराखंड मेंपाला और शीतलहर का कहर, 11 और 12 दिसंबर को येलो अलर्ट जारी

उत्तराखंड के अधिकांश जिलों में ठंड का प्रकोप बढ़ता जा रहा है. पिछले दो दिनों में प्रदेश के पर्वतीय इलाकों में हुई बर्फबारी और बारिश के बाद तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है. मौसम विज्ञान केंद्र ने हरिद्वार और ऊधम सिंह नगर को छोड़कर बाकी सभी जिलों के लिए 11 और 12 दिसंबर को पाला पड़ने का येलो अलर्ट जारी किया है. इन जिलों में शीतलहर के कारण ठिठुरन बढ़ने के आसार हैं.मौसम विभाग के अनुसार, 13 दिसंबर के बाद प्रदेशभर में मौसम शुष्क रहने की संभावना है. हालांकि, इसके पहले ठंड का असर अधिक रहेगा. मंगलवार को राजधानी दे. हरादून में अधिकतम तापमान 21.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से एक डिग्री कम है. वहीं, न्यूनतम तापमान में तीन डिग्री की गिरावट आई और यह 5.6 डिग्री पर दर्ज हुआ. बुधवार को देहरादून का अधिकतम तापमान 24 डिग्री और न्यूनतम तापमान 7 डिग्री के आसपास रहने की संभावना हैबर्फबारी और बारिश ने बढ़ाई ठंडपिछले दो दिनों में पर्वतीय क्षेत्रों में हुई बर्फबारी और बा. रिश ने ठंड का स्तर और बढ़ा दिया है. खासकर चमोली, उत्तरकाशी, पिथौरागढ़, बागेश्वर और रुद्रप्रयाग जैसे ऊंचाई वाले क्षेत्रों में ठंड का असर अधिक महसूस किया जा रहा है. इन जिलों में सड़कों और खुले स्थानों पर पाला जमने से आवागमन में दिक्कतें भी हो सकती हैं. मौसम विभाग ने लोगों से सतर्क रहने और सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की है. हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर जिलों में फिलहाल पाला पड़ने की संभावना नहीं है. इन क्षेत्रों में तापमान अपेक्षाकृत स्थिर रहने की संभावना है, लेकिन ठंडी हवाओं के चलते यहां भी लोगों को ठिठुरन का सामना करना पड़ सकता है.पाले के कारण फसलों को हो सकता है नुकसानपाले के कारण फसलों को नुकसान पहुंच सकता है. किसानों को सलाह दी गई है कि वे अपनी फसलों को ठंड से बचाने के लिए आवश्यक उपाय करें. फसलों पर हल्की सिंचाई और मल्चिंग का उपयोग पाले से बचाव के लिए कारगर हो सकता है. ठंड से बचने के लिए मौसम विभाग ने लोगों को पर्याप्त गर्म कपड़े पहनने, हीटर या अंगीठी का उपयोग करने और अत्यधिक ठंडी जगहों से बचने की सलाह दी है. सुबह और रात के समय वाहन चलाते समय सतर्कता बरतने की अपील की गई है, क्योंकि पाला जमने से सड़कों पर फिसलन बढ़ सकती है.उत्तराखंड में पाला और शीतलहर के बढ़ते असर को देखते हुए यह जरूरी है कि लोग मौसम विभाग की चेतावनियों का पालन करें और अपनी सुरक्षा का ध्यान रखें. 13 दि. संबर के बाद मौसम सामान्य रहने की उम्मीद है, जिससे ठंड का असर थोड़ा कम हो सकता है.

एसएसपी विपिन ताडा ने खिवाई चौकी का पूरा स्टाफ किया सस्पेंड

मेरठ में संरक्षित पशु की हत्या के मामले न रोक पाने पर एसएसपी डॉ. विपिन ताडा ने बड़ी कार्रवाई की है। सरूरपुर थाना क्षेत्र की खिवाई चौकी का पूरा स्टाफ सस्पेंड कर दिया गया है। मंगलवार को भी चौकी क्षेत्र में संरक्षित पशु की हत्या को लेकर हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने हंगामा किया थासंरक्षित पशु की हत्या के मामले में हुई कार्रवाई एसएसपी ने बताया कि मंगलवार को खिवाई चौकी क्षेत्र में संरक्षित पशु की हत्या का मामला सामने आया था। इससे पहले भी उच्चाधिकारियों के कई बार निर्देशित करने के बावजूद क्षेत्र में इस तरह की घटनाओं पर अंकुश नहीं लग पाया। चौकी का स्टाफ इसमें विफल रहा। इसी के चलते चौकी इंचार्ज रामवीर सिंह, रामवीर सिंह, हेड कांस्टेबल अशोक कुमार, हेड कांस्टेबल नीरज सिंह, कांस्टेबल भूपेंद्र यादव, अमित पंवार और विवेक कुमार कुमार को निलंबित कर दिया गया है।

वाराणसी पुलिस का शिकंजा, शादी के नाम पर लाखों ठगकर हो जाते थे फरार

वाराणसी में शादी के नाम पर लोगों को भ्रमित कर लाखों रुपये ठगने वाले गैंग सक्रिय नजर आ रहे हैं. ऐसा ही हैरान करने वाला मामला वाराणसी के लंका थाना से सामने आया है. दरअसल राजस्थान के एक परिवार को शादी के नाम पर झांसा देकर लुटेरी दुल्हन गैंग द्वारा लाखों रुपये लूट लिए गए. इस मामले में वाराणसी पुलिस कमिश्नरेट ने कार्रवाई करते हुए 6 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है. ये लोग भोले–भाले लोगों का शादी का झांसा देकर अपने जाल में फंसाते थे और ठगी की वारदात को अंजाम देते थे. पुलिस ने इनके पास से नगद रुपये, मोबाइल फोन और आधार कार्ड बरामद किये हैं.वाराणसी पुलिस कमिश्नरेट अंतर्गत काशी जोन से मिली जानकारी के अनुसार, राजस्थान नागौर के रहने वाले घनश्याम को सुमेर सिंह ने अपनी साली से शादी के नाम पर वाराणसी बुलाया. इस दौरान घनश्याम अपने परिवार के साथ वाराणसी पहुंचे. बड़े ही नाटकीय ढंग से सुमेर द्वारा शादी के नाम पर लड़की पसंद कराके वाराणसी में ही शादी भी संपन्न करा दी गई. किसी को शक ना हो इसलिए काल्पनिक माँ, बुआ, जीजा, बहन, बहनोई जैसे रिश्तेदारों की भी मौजूदगी कराई गई. इस दौरान सुमेर सिंह और उसके करीबियों द्वारा लड़का पक्ष से 1. 17 लाख रुपये फर्जी तरीके से शादी के नाम पर ले लिया गया.दुल्हन की विदाई के दौरान स्टेशन से हो गए फरार इसके बाद दुल्हन की विदाई के लिए भी सभी बनारस रेलवे स्टेशन पहुंचते हैं, जहां बेहद नाटकीय ढंग से पानी पीने, पेट दर्द और अन्य बहाना बनाकर सुमेर सिंह और उनके गैंग के सभी सदस्य स्टेशन से ही फरार हो जाते हैं. इसके बाद घनश्याम द्वारा वाराणसी पुलिस प्रशासन से इस मामले की शिकायत की जाती है. पुलिस द्वारा टीम गठित करके इस लुटेरी दुल्हन गैंग की गिरफ्तारी की जाती है. फिलहाल इस मामले में छह अभियुक्तों को गिरफ्तार कर बीएनएस की धारा 316 (2), 319(2), 318 (4), 338, 366(3) ध्340 (2) के तहत मुकदमा पंजीकृत करके विधिक कार्रवाई की जा रही है. साथ ही ऐसी जालसाजी से लोगों को सावधान रहने की सलाह दी गई है.

सीएम योगी ने रैन बसेरों का किया निरीक्षण, जरूरत मन्दों में भोजन-कम्बल वितरित किया

सीएम योगी ने लोगों से जाना कुशलक्षेममुख्यमंत्री ने उनसे पूछा कि यहां रैन बसेरों में कोई परेशानी तो नहीं. सबने व्यवस्था को लेकर संतोषजनक जवाब दिया. निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा कुशलक्षेम और जरूरतों के बारे में पूछे जाने पर रैन बसेरों में ठहरे लोग भाव विह्वल हो गए. उन्हें सहसा यकीन नहीं हो रहा था कि उनके ठहरने और भोजन की जानकारी लेने खुद मुख्यमंत्री उनके पास आए हैं. रैन बसेरों में ठहरे लोगों का कहना था कि जब बाबा (योगी आदित्यनाथ) खुद उनकी सुधि ले रहे हैं तो उन्हें किस बात की दिक्कत होगी. रैन बसेरों का निरीक्षण करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भीषण ठंड और शीतलहर से आमजनमानस के बचाव के लिए राज्य सरकार की तरफ से पहले चरण में 4 लाख लोगों को यूपी में बने कंबल वित. रित करने के लिए हर जिले को पर्याप्त धनराशि जारी कर दी गई है. इसके साथ ही प्रशासन को निर्देशित किया गया है कि जरूरतमंद लोगों की सूची बनाकर कंबल वितरण सुनिश्चित कराया जाए.सीएम योगी ने गिनाई केंद्र सरकार की उपलब्धि मुख्यमंत्री ने कहा कि 10 वर्ष में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में, प्रदेश में 56 लाख परिवारों को पक्के आवास उपलब्ध कराए गए हैं. इसके अलावा चार लाख लोगों को शीघ्र ही आवास उपलब्ध कराए जाएंगे. इस व्यवस्था के बाद भी जो लोग शहरी क्षेत्र में उपचार करने या किसी अन्य कार्य से आते हैं और उनके पास रात्रि में रुकने के लिए होटल या किराए पर रहने की क्षमता नहीं होती है, उनके लिए शहरी क्षेत्रों में डबल इंजन सरकार की तरफ से स्थानीय निकायों के माध्यम से रैन बसेरों की व्यवस्था की गई है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ठंड से कोई दम न तोड़ने पाए और न ही कोई ठिठुरे, इसके लिए सरकार की तरफ से कई स्तरों पर प्रबंध किए गए हैं. बेसिक शिक्षा विभाग में बच्चों के लिए स्वेटर देने की व्यवस्था उनके अभिभावकों के खाते में धनराशि भेज कर की गई है, तो जरूरतमंदों में कंबल का वितरण कराया जा रहा है. उन्होंने कहा कि आने वाले समय में शीतलहर के दौरान जनमानस और जीव जंतुओं के बचाव के लिए सार्वजनिक स्थानों पर अलाव की भी व्यापक व्यवस्था की जाएगी.रैन बसेरों के निरीक्षण के दौरान सांसद रविकिशन, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह, विधायक विपिन सिंह, भाजपा के महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता, कालीबाड़ी के महंत रवींद्रदास समेत प्रशासन, पुलिस व नगर निगम के अधिकारी उपस्थित रहे.

उत्तरप्रदेश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि हर जरूरतमंद को सम्मानजनक आश्रय देने के लिए डबल इंजन की सरकार प्रतिबद्ध है. इसके लिए ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान दिए गए हैं तो शहर में किसी कार्य से आने वाले आर्थिक रूप से कम. जोर लोगों के लिए निरूशुल्क रैन बसेरों की व्यवस्था की गई है. उक्त बातें सीएम योगीमंगलवार देर शाम गोरखपुर महानगर में चार रैन बसेरों का निरीक्षण करने के बाद कही.निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर जरूरतमंद को रैन बसेरों में अच्छी सुविधा दी जाए. प्रशासन को इसे प्राथमिकता पर लेते हुए यह सु. निश्चित करना होगा कि सभी रैन बसेरों में पर्याप्त संख्या में बिस्तर व कंबल का इंतजाम हो. साफ–सफाई का भी पूरा ध्यान रखा जाए. साथ ही यदि किसी के पास भोजन की व्यवस्था नहीं है तो उसे भोजन भी उपलब्ध कराया जाए.सीएम योगी ने रैन बसेरों का किया निरीक्षणमुख्यमंत्री ने रेलवे स्टेशन के

पास, कचहरी बस स्टेशन छात्र संघ चौराहे के पास, धर्मशाला तथा झूलेलाल मंदिर के पास बने रैन बसेरों का निरीक्षण कर तथा वहां ठहरे लोगों से बातचीत कर उपलब्ध सुविधाओं की पड़ताल की. इस दौरान उन्होंने धर्मशाला के नवनिर्मित रैन बसेरे का उद्घाटन भी किया. सभी रैन बसेरों में मुख्यमंत्री ने अपने हाथों से जरूरतमंदों में कंबल व भोजन का वितरण भी किया. मुख्यमंत्री ने चारों रैन बसेरों के बाहर भी सैकड़ो जरूरतमंद लोगों में कंबल व भोजन का वितरण कर उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार उनकी सेवा को प्रतिबद्ध है. मुख्यमंत्री ने इस दौरान परिजनों के साथ मौजूद बच्चों को दुलारा और चॉकलेट, खिलौना गिफ्ट कर उन्हें आशीर्वाद भी दिया. सीएम योगी ने रैन बसेरों में ठहरे सभी लोगों से कुशलक्षेम जानने के साथ उनसे आत्मीय संवाद भी किया. अलग–अलग रैन बसेरों में देवरिया, कुशीनगर, बलिया, गगहा, चौरीचौरा समेत पूर्वांचल के अलग अलग क्षेत्रों के नागरिकों के अलावा बिहार से आए लोग भी ठहरे थे. कोई डॉक्टर को दिखाने के लिए तो कोई काम की तलाश या फिर किसी अन्य कार्य से गोरखपुर आया था.

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों को लेकर RSS की खरी-खरी,केंद्र सरकार से की मांग

नई दिल्ली। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं के खिलाफ हिंसा अभी थमी नहीं है। बांग्लादेश की यूनुस सरकार ने खुद माना है कि हसीना सरकार के जाने के बाद देश में अल्पसंख्यकों पर 88 बार हमले हुए हैं। उधर इन घटनाओं को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने भी चिंता जाहिर की है।केंद्र सरकार से सख्त कदम उठाने की अपीलआरएसएस ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों को लेकर चिंता जाहिर की है। आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा कि केंद्र सरकार को बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रहे अत्याचार को रोकने के लिए और ठोस कदम उठाने चाहिए।

नागपुर में एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा, श्बांग्लादेश में जो कुछ हो रहा है, उससे हर हिंदू को आक्रोशित होना चाहिए।श बता दें कि श्सकल हिंदू समाजश के तले कार्यक्रम का आयोजन बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू, बौद्ध, जैन और अन्य समुदायों के खिलाफ हो रहे हमलों की निंदा करने के लिए आयोजित किया गया था।केंद्र को इन हमलों को रोकने के लिए और अधिक प्रयास करने चाहिए। सरकार को अधिक ठोस कदम उठाने चाहिए। मुझे उम्मीद है कि इस मुद्दे को बातचीत से सुलझाया जा सकता है, लेकिन अगर बातचीत विफल हो जाती है, तो हिंसा को रोकने के लिए कोई अन्य समाधान ढूंढ़ा जाना चाहिए।उन्होंने ये भी कहा कि हमारे मंदिरों को जलाया जा रहा है, लूटा जा रहा है, महिलाओं पर अत्याचार किया जा रहा है। जो कुछ हो रहा है, उससे हर हिंदू को आक्रोशित होना चाहिए।

घटनाओं की निंदा करना और परेशान होना ही काफी नहीं है। हमें गुस्से और दुख से आगे बढ़ना होगा।

बांग्लादेश सरकार ने मानी हमलों की बात इससे पहले बांग्लादेश ने मंगलवार को यह माना कि शेख हसीना सरकार के अपदस्थ होने के बाद देश में अल्पसंख्यकों विशेषकर हिंदुओं के विरुद्ध हिंसा की 88 घटनाएं हुई हैं। अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस के प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने बताया कि इन घटनाओं में 70 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पांच अगस्त से 22 अक्टूबर के दौरान अल्पसंख्यकों से संबंधित घटनाओं को लेकर कुल 88 मामले दर्ज किए गए। उन्होंने कहा कि मामलें और गिरफ्तारियां और बढ़ सकती है, क्योंकि कई क्षेत्रों में हिंसा की नई घटनाएं सामने आई हैं।

महिला सुसाइड करती, तो बिना सबूत बॉयफ्रेंड की गिरफ्तारी हो जाती,अतुल सुभाष के भाई ने की कानून में बदलाव की मांग

अतुल सुभाष के भाई ने कानून प्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि अगर कोई महिला आत्महत्या कर लेती तो उसके बॉयफ्रेंड को तुरंत गिरफ्तार कर लिया जाता है। लेकिन मेरे भाई के मामले में अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि ऐसा न हो कि पुरुष शादी से ही डरने लगे और उन्हें लगने लगे कि वह एटीएम मशीन की तरह इस्तेमाल किए जाएंगे।डिजिटल डेस्क, नई दिल्ली। बेंगलुरु की निजी कंपनी के उप महाप्रबंधक अतुल सुभाष के आत्महत्या मामले में अब दोनों पक्षों से आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गए हैं। अतुल के भाई ने कानून की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवालिया निशान लगाते हुए बदलाव की मांग की है।एएनआई से बात करते हुए अतुल सुभाष के भाई ने कहा, श्मेरी डिमांड है कि मेरे भाई को न्याय मिलता चाहिए। मेरी सिस्टम से अपेक्षा है कि पुरुषों के लिए भी कोई कानून आए। जो मेरे भाई के साथ हुआ, वह इस देश में बहुत सारे लोगों के साथ हो रहा है।श्शादी से न डरने लगे पुरुषश्उन्होंने आगे कहा कि श्एक पुरुष की जिंदगी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है, जितनी एक महिला की। ऐसा न हो कि पुरुषों को शादी से डर लगने लगे। ऐसा न हो कि पुरुषों को लगने लगे कि वह सिर्फ एटीएम मशीन बनकर रह जाएंगे।

मां काली के दर्शन न होने पर पुजारी ने काटी खुद की गर्दन, हुई मौत, 24 घंटे से लगातार कर थे पूजा

वाराणसी के गायघाट कोतवाली थाना अंतर्गत एक हैरान करने वाली घटना हुई है जिसने पूरे जनपद को स्तब्ध करके रख दिया. मां काली के प्रति अपार आस्था रखने वाले पुजारी ने दर्शन न मिलने से आहत होकर खुद के गर्दन को ही काट डाला. इसके बाद पुजारी को लहूलुहान देखकर परिजन आनन फानन में उन्हें लेकर ठभ्न् के ट्रामा संेटर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. अब जनपद के लोगों में इस बात को लेकर चर्चा है कि जो नियमित तौर पर खुद मां भगवती के प्रति इतनी आस्था रखता था, वह इतना बड़ा कदम कैसे उठा सकता है.एसीपी कोतवाली डॉ. इशांत सोनी की तरफ से एबीपी लाइव को मिली जानकारी के अनुसार, कोतवाली थाना अंतर्गत गायघाट क्षेत्र से एक दर्दनाक घटना सामने आई है जिसमें 40 वर्षीय अमित शर्मा जो पुजारी का कार्य करते थे, नियमित तौर पर विधि विधान से वह पूजन कार्य करते हैं. उन्होंने खुद के जीवन को ही समाप्त कर लिया. परिवार ने पूछताछ में बताया कि – बीते 24 घंटे से वह एक कमरे में बंद होकर पूजा पाठ कर रहे थे. इनका मानना था कि अब इन्हें देवी – भगवान के दर्शन होंगे लेकिन दर्शन न होने की वजह से आहत होकर इन्होंने अपना गला काट लिया. जैसे ही उन्हें लहूलुहान हालत में परि. जनों ने देखा, आनन फानन में पुजारी को ठभ्न् के ट्रामा संेटर ले जाया गया जहां चिकित्सको ने मृत घोषित कर दिया. इसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और आगे की विधिक कार्रवाई की जा रहीं है इस घटना से स्तब्ध है पूरा जनपद वाराणसी धर्म की नगरी है, जहां लोगों द्वारा अपनी अपनी आस्था के अनुसार देवी देवताओं का पूजन कार्य किया जाता है. अच्छे मार्ग पर चलने के लिए, सभी कष्ट बाधाओ से मुक्ति के लिए लोग भगवान की शरण में जाते हैं. लेकिन गायघाट के इस घटना के बाद लोगों के बीच इस बात की चर्चा है कि विज्ञान, आधुनिकता और सामाजिक जागरूकता के दौर में लोग ऐसे कदम उठा रहे हैं यह बहुत चिंताजनक है. प्राप्त जानकारी के अनुसार पुजारी अमित शर्मा द्वारा न सिर्फ विधि विधान से देवी देवताओं का पूजन किया जाता था. बल्कि जनपद के प्रमुख धार्मिक पर्यटन स्थलों पर भी लोगों को भ्रमण कराया जाता था.

लालू यादव ने ममता बनर्जी के कंधे पर रखी सियासी बंदूक

पटनारू आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व का समर्थन कर राजनीति की कौन सी बाजी चल दी है? आखिर ऐसी कौन सी बात हो गई कि कभी राहुल गांधी को दूल्हा बनाने की बात कर इंडिया गठबंधन में न केवल फुट डाला बल्कि राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पीएम बनने के ड्रीम प्रोजेक्ट को भी लाल झंडी दिखा दी थी। एक बार फिर ममता बनर्जी को आगे कर लालू प्रसाद यादव ने राजनीति की कौन सी बिसात बिछा दी है।इंडिया गठबंधन के नेतृत्व के लिए ममता बनर्जी का समर्थन करने के लालू यादव के बयान ने राजनीतिक जगत में भूचाल ले आया हे। वजह है लालू यादव का ये कहना कि ममता बनर्जी को इंडिया गठबंधन का नेतृत्व दे देना चाहिए। हम लोग उनका समर्थन करते हैं। लालू प्रसाद के बयान पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार ने समर्थन करते कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की नेतृत्व क्षमता को स्वीकार किया जाए। वह निश्चित रूप से गठबंधन का नेतृत्व करने में सक्षम हैं। उनमें क्षमता है। उन्होंने संसद में जो नेता चुने हैं, वे जिम्मेदार, कर्तव्यनिष्ठ और जागरूक लोग हैं।और तो और लालू प्रसाद के वक्तव्य को संजय राउत ने भी ममता बनर्जी की भूमिका के लिए समर्थन व्यक्त करते हुए कहा कि वह भी चाहते हैं कि वे एक प्रमुख भागीदार बनें। राउत ने ममता से मिलने की बात कही। तेजस्वी यादव ने भी अपने पिता के सुर में सुर मिलाते हुए ममता का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी के नेतृत्व को लेकर कोई आपत्ति नहीं है।राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव भले उम्र के कारण शारीरिक रूप से उतना सक्रिय नहीं हैं, पर मानसिक रूप से रा. जनीति का पाठ पढाने में अभी भी सक्षम हैं। लालू यादव ने ममता बनर्जी को आगे कर एक तीर से काई निशाना साध लिया है। कांग्रेस के ऊपर मानसिक दबाव बना डाला कि नेतृत्व ममता को सौंपने के लिए तैयार रहे। कांग्रेस को सिर्फ राष्ट्रीय राजनीति तक सीमित करने की चाल चल दी। आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में राजद के ऊपर हावी न हो। राजद को कम से कम सीट दे कर ज्यादा सीटों पर लड़ने की रणनी. ति।लालू यादव की रणनीति इतना ही नहीं लालू यादव बिहार के संदर्भ में लो. कसभा चुनाव और राज्य में हुए चार विधानसभा उपचुनाव में अपने खराब प्रदर्शन के ऊपर कांग्रेस को हावी होने देना नहीं चाहते। राजद कांग्रेस को राष्ट्रीय नेतृत्व की पहली में उलझा कर रखना चाहती है। वरिष्ट पत्रकार दीपक कोचगवे का मानना है कि राजद सुप्रीमो यूं ही नहीं बोलते। हंसी खेल में भी बड़ी बाजी खेल जाते हैं। इंडिया गठबंधन के समय हंसते खेलते राहुल गांधी को दूल्हा बनाने की बात कह कर नीतीश कुमार की पूरी रणनीति की ही हवा निकाल दी।ममता वाला शिगूफा इस बार ममता बनर्जी को नेतृत्व के नाम पर आगे करने के पीछे राजद सुप्रीमो कांग्रेस को एक सीमा के भीतर रखने की चाल चली है। विधानसभा उपचुनाव में मिली हार के बाद राजद बैकफुट पर है और कांग्रेस हावी होने की तैयारी में है। बस, कांग्रेस की हवा निकालने के लिए राजद सुप्रीमो ने ममता को आगे किया है। याद होगा यह लालू प्रसाद ने रेल मंत्रालय को लेकर ममता बनर्जी को सदन में लताड़ते कहा था कि नहीं मांगी है तो नहीं मिलेगा? लालू के इस बयान के पीछे ममता को नेतृत्व देना और कांग्रेस को औकात बताना मूल मकसद रहा है।

हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति शेखर यादव से न्यायिक कार्य वापस लेने की मांग, अधिवक्ता संगठनों ने उठाई मांग

विश्व हिंदू परिषद के विधि प्रकोष्ठ के बैनर तले रविवार को हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के लाइब्रेरी हॉल में न्यायमूर्ति शेखर कुमार यादव के भाषण का सुप्रीम कोर्ट संज्ञान ले चुका है। कई अधिवक्ता संगठनों ने भी न्यायमूर्ति यादव के खिलाफ आंतरिक जांच और अनुशास. निक कार्रवाई की मांग की है।ऑल इंडिया लॉयर्स यूनियन ने इलाहाबाद हा. ईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखकर न्यायमूर्ति शेखर कुमार यादव की ओर से विश्व हिंदू परिषद की कार्यशाला में दिए गए वक्तव्य को असांविधानिक और संविधान पर हमला करार दिया है। कई दूसरे संगठनों ने न्यायमूर्ति से न्यायिक कार्य वापस लेने की मांग की है। विश्व हिंदू परिषद के विधि प्रकोष्ठ के बैनर तले रविवार को हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के लाइब्रेरी हॉल में न्यायमूर्ति शेखर कुमार यादव के भाषण का सुप्रीम कोर्ट संज्ञान ले चुका है। कई अधिवक्ता संगठनों ने भी न्यायमूर्ति यादव के खिलाफ आंतरिक जांच और अनुशासनिक कार्रवाई की मांग की है। ऑल इंडिया लॉयर्स यूनियन के अध्यक्ष अरविंद कुमार राय और सचिव आशुतोष कुमार तिवारी ने मुख्य न्यायाधीश को लिखे पत्र में उनके वक्तव्य को संविधान विरोधी करार दिया है। अधिवक्ता मंच के राजवेंद्र सिंह, चार्ली प्रकाश व पीयूसीएल के केके राय ने ईमेल भेजकर उन्हें न्यायिक कार्य से अलग किए जाने की मांग की है। संगठनों ने लिखा है कि न्यायमूर्ति का भाषण निंदनीय व असांविधानिक है। उनके विवादास्पद बयान से

स्पष्ट है कि वह निष्पक्ष होकर न्यायिक कार्य जारी नहीं रख सकते। दायित्वों से मुक्त नहीं करने पर नागरिकों के मौलिक अधिकारों का ही हनन होगा।अब किसी संगठन को नहीं देंगे लाइब्रेरी हॉलरू बार अध्यक्षहाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल तिवारी का कहना है कि विश्व हिंदू परिषद से जुड़े अधिवक्ता जयराज सिंह तोमर ने कार्यक्रम की अनुमति मांगी थी। बताया था कि संगोष्ठी में समान नागरिक संहिता और वक्फ एक्ट के कानूनी पहलुओं पर चर्चा होगी। लेकिन, विवादित बयान सामने आने के बाद हम सतर्क हो गए हैं। आज के बाद बार एसोसिएशन का ला. इब्रेरी हॉल किसी भी कार्यक्रम के लिए बाहरी संगठन को नहीं दिया जाएगा। वहीं, जयराज सिंह तोमर का कहना है कि यह कार्यक्रम कहीं दूसरी जगह होना था। वहां जगह नहीं मिलने पर कुछ लोग मेरे पास आए और हॉल दिलाने का आग्रह किया। मैंने अपने लेटरपैड पर बार अध्यक्ष से हॉल की अनुमति मांगी, जो मिल भी गई। विहिप का ऐसा कोई दूसरा कार्यक्रम तय नहींः केपी सिंह विश्व हिंदू परिषद के काशी प्रांत के अध्यक्ष केपी सिंह का कहना है कि हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के सभागार में विहिप के कार्यक्रम में वह नहीं थे, इसलिए न्यायमूर्ति शेखर यादव के बयान पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता। फिलहाल, अभी इस तरह का कोई दूसरा कार्यक्रम भी प्रस्तावित नहीं है। महाकुंभ में जरूर संतों का सम्मेलन करेंगे।

बेगूसराय में डॉक्टर समेत 2 लोगों की मौत,परिजनों ने बताई शराब पीने की बात, मचा हड़कंप

बिहार के बेगूसराय में दो लोगों की संदिग्ध परिस्थिति में मौत की खबर सामने आई है. मामला चेरिया बरियारपुर के मेहदा शाहपुर का बताया जा रहा है. मृतकों में ग्रामीण डॉक्टर चुनचुन सिंह और उनके कंपाउंडर हरे राम तांती शामिल हैं. ग्रामीण डॉक्टर चुनचुन सिंह के शव का पोस्टमार्टम नहीं हो सका. मेडिकल बोर्ड के गठन के बाद हरे राम तांती के शव का पोस्टमार्टम हुआ है. रिपोर्ट के बाद स्पष्ट होगा कि मौत कैसे हुई है. घटना के बाद हड़कंप मच गया है.बेगूसराय के सिविल सर्जन डॉक्टर प्रमोद कुमार सिंह ने बुधवार (11 दि. संबर) को बताया कि एक मरीज को रात में उसकी पत्नी और बेटे ने पकड़कर इलाज के लिए लाया था. वो व्यक्ति लड़खड़ा रहा था. बताया गया कि इसकी आंख की रोशनी चली गई है. परिजनों ने बताया कि शख्स कभी-कभी शराब पीता है. हमको लगा कि शराब का ही मामला होगा, तो इलाज शुरू किया गया. सुबह बाथरूम से आया उसके बाद सीरियस हो गया. फिर उसको बचाया नहीं जा सका.एसपी बोले- मेडिकल बोर्ड से कराया गया है पोस्टमार्टमउधर इस पूरे मामले में बेगूसराय के एसपी मनीष ने कहा कि शराब की जो भी सूचना होती है निरंतर हम लोग लगातार कार. `वाई करते हैं. अभी इस केस में हम ला. `गों ने मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया है. हम लोग जानकारी इकट्ठा कर रहे हैं. दूसरे व्यक्ति (जिसक पा. `स्टमार्टम नहीं हुआ है) के बारे में जो सूचना मिली है उस संबंध में हमारे जो अधिकारी हैं वो जाकर विधि सम्मत कार. `वाई करेंगे.बताया जाता है कि शाहपुर गांव निवासी ग्रामीण चिकित्सक चुनचुन सिंह अपने सहयोगी हरे राम तांती के साथ शराब का सेवन किया था. इसके बाद तबीयत बिगड़ने लगी. मंगलवार (10 दिसंबर) को इलाज के लिए अलग-अलग जगह भर्ती कराया गया जिसके बाद दोनों की मौत हो गई. अब पुलिस जांच में जुट गई है.

घर से घसीटकर बाहर लाए और गला घोंटकर मार डाला, माओवादियों ने की पुलिस मुखबिर होने के शक पर BJP नेता की हत्या

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में माओवादियों ने मंगलवार रात पुलिस मुखबिर होने के आरोप में भारतीय जनता पार्टी (ठश्रच) के एक नेता की कथित तौर पर हत्या कर दी. बीजापुर पुलिस द्वारा जारी बुधवार को एक बयान में कहा गया कि यह घटना जिले के फरसेगढ़ पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत सोमनापल्ली गांव में हुई.बयान के अनुसार, माओवादियों ने 35 वर्षीय कुडियाम माडो को उनके घर से घसीटकर बाहर निकाला और गला घोंटकर उनकी हत्या कर दी. माडो भारतीय जनता किसान मोर्चा (भाजपा की किसान इकाई) का जिला उपाध्यक्ष थे.पुलिस ने बताया कि उन्हें प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) के बीजापुर नेशनल पार्क एरिया कमेटी द्वारा जारी एक पर्चा भी बरामद हुआ है, जिसमें माओवादियों ने मृतक पर पुलिस का मुखबिर होने का आरोप लगाया और इस बहाने हत्या को उचित ठहराया है. स्थानीय फरसेगढ़ पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है और आगे की कानूनी कार्यवाही कर रही है.रमन सिंह की कैबिनेट में पूर्व मंत्री और वरिष्ठ भा. जपा नेता महेश गागड़ा ने पुष्टि की है कि मृतक जिले का भाजपा नेता था. गागड़ा ने कहा, श्इस मामले की उच्. चस्तरीय जांच होनी चाहिए, क्योंकि बस्तर में मारे गए अधिकांश भाजपा नेता

बीजापुर से हैं.श इस घटना के साथ ही इस साल अब तक बस्तर डिवीजन में अलग-अलग स्थानों पर माओवादी हिंसा में 60 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं. गौरतलब है कि जनवरी 2023 से अप्रैल 2024 के बीच डिवीजन में अलग-अलग घटनाओं में नौ भाजपा नेताओं की हत्या कर दी गई हैं.

हाथरस जिले में मथुरा कासगंज मार्ग पर एक भीषण सड़क हादसा हो गया

मैजिक सवारी गाड़ी और कंटेनर की भीषण भिड़ंत,7 लोगों की मौत,11 लोग गंभीर घायल

उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में मथुरा कासगंज मार्ग पर एक भीषण सड़क हादसा हो गया जहां टाटा मैजिक सवारी गाड़ी की कंटेनर से आमने–सामने की भीषण भिड़ंत हो गई। इस भीषण भिड़ंत में टाटा मैजिक में सवार करीब 20 लोगों में से 7 लोगों की मौत हो गई। वहीं इस हादसे में 11 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल भिजवाया और मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। आपको बता दें पूरा मामला कोतवाली हाथरस जंक्शन क्षेत्र के मथुरा कासगंज मार्ग का है जहां गांव जैतपुर के पास एक सवारी से भरी मैजिक गाड़ी और कंटेनर की आमने–सामने की भीषण भिड़ंत हो गई। इस भीषण हादसे में मैजिक सवारी गाड़ी में सवार करीब 20 लोगों में से 7 लोगों की मौत हो गई। वहीं करीब 11 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों में चीख पुकार मच गई वहीं हादसे को देख मौके पर लोगों की भारी भीड़ भी जमा हो गई जिसके बाद घटना की सूचना इलाका पुलिस को दी गई। हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया।जहां से डॉक्टर ने 7 गंभीर घायलों को उपचार के लिए अलीगढ़ मेडिकल रेफर कर दिया। और 6 लोगों का हाथरस जिला अस्पताल की इमरज.ेंसी में उपचार चल रहा है मिली जानक.ारी के अनुसार कोतवाली चंदपा के गांव कुम्हरई निवासी 20 लोग और उनके रिश्तेदार मैजिक में सवार होकर मंगलवार दोपहर एटा के गांव नगला इमलिया निवासी 60 वर्षीय कैंसर पीड़ित बुजुर्ग को देखने के लिए जा रहे थे। तभी गांव जैतपुर पर कंटेनर ने मैजिक में सामने से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि मैजिक कई पलटा मारते हुए खड्डे में जा गिरी। हादसे के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई। पास के ग्रामीण घटनास्थल पर दौड़े और मैजिक में से घायलों को बाहर निकाला। मौके पर ही 6 लोगों की दर्दनाक मृत्यु हो गई। जबकि अन्य घायल हो गए घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया, जहां एक मासूम बच्चे ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। फिलहाल जिला अस्पताल में स्वास्थ्य विभाग से लेकर जिले के अन्य अधिकारी हादसे के बारे में जानकारी जुटा रहे हैं। वही उत्तर प्रदेश की सरकार योगी आदित्यनाथ ने सभी मृतकों को 2–2 लाख रुपये और सभी घायलों को 50–50 हजार रुपए आर्थिक मदद देने की घोषणा की है

बांग्लादेशी हिन्दुओ के समर्थन मे एवं बांग्लादेशी यूनुस सरकार के विरोध मे प्रदर्शन 12 दिसम्बर कोअलीगढ के श्री वार्ष्णेय मन्दिर मे जुटेंगे सभी हिंदूवादीइस समय बांग्लादेश में अपने हिन्दू भाइयों पर लगातार हमले किए जा रहे हैं ।उनकी एवं उनके जानमाल की सुरक्षा भी उनको नहीं मिल रही, वहां की युनुस सरकार हिंदू भाइयों की बिल्कुल भी सुरक्षा नहीं कर रही । इसके विरोध में एक विशाल विरोध प्रदर्शन श्री वार्ष्णेय मंदिर में 12 दिसंबर 2024 दिन गुरुवार को साय 7 बजे किया जाएगा ।अतः आप सभी से विनम्र अनुरोध है कि आप सभी बांग्लादेशी हिंदुओं के समर्थन मे इस विरोध प्रदर्शनमें सम्मिलित होने की कृपा करें ।

अलीगढ़–पलवल हाईवे के चौड़ीकरण को मिली मंजूरी, इन 31 गांव के लोग होंगे मालामाल, 600 करोड़ मुआवजा बांटने की तैयारी

अलीगढ़–पलवल हाईवे के नवीनीकरण और चौड़ीकरण की मंजूरी मिल गई है। इस हाईवे का नवीनीकरण हो जाने के बाद यूपी हरियाणा और दिल्ली के बीच सफर आसान हो जाएगा। यह हाईवे तीन राज्यों को जोड़ता है। जिसका फायदा सीधे दिल्ली एनसीआर को मिलता है।पलवल हाईवे के चौड़ीकरण को मंजूरी मिल गई है। 69 किलोमीटर लंबे हाईवे चौड़ीकरण के लिए 31 गांव से मार्ग निर्माण के लिए जमीन का अधिग्रहण होना है। इसमें 21 गांव के 160 से अधिक हेक्टर भूमि के लिए किसानों को 600 करोड़ से अधिक रुपए का मुआवजा बांटे जाने की तैयारी चल रही है। मार्ग का चौड़ीकरण हो जाने से गाजियाबाद जिले में बन रहे दुहाई इंटरनेशनल एयरपोर्ट को बेहतर कनेक्टि.विटी मिलेगी। इसके साथ ही दिल्ली एनसीआर को जोड़ने वाले इस हाईवे का चौड़ीकरण के साथ बाईपास का भी निर्माण किया जाएगा।यूपी और हरियाणा तथा दिल्ली एनसीआर को जोड़ने वाला अलीगढ़ पलवल हाईवे का चौड़ीकरण और नवीनीकरण हो जाने के बाद तीन प्रदेशों के लिए आवागमन और अधिक सुलभ हो जाएगा। इसके चौड़ीकरण की मंजूरी मिलने के बाद प्रशासनिक स्तर पर कार्यवाही तेज हो गई है। प्रशासन ने चिन्हित 21 गांव में शिविर लगाने शुरू कर दिए हैं। शेष बचे 10 गांव को जल्द अवार्ड घोषित किया जाएगा।6 वर्ष पहले लोक निर्माण विभाग में कराया था इस हाईवे का निर्माण लोक निर्माण विभाग में बीते करीब 6 वर्ष पहले अलीगढ़ से परवल तक करीब 85 किलोमीटर इस मार्ग का निर्माण कराया था। जिसमें कुल लागत 552 करोड़ रुपये की लागत आयी थी। करीब 85 किमी लंबे हाईवे के निर्माण में पीडब्ल्यूडी को 5 साल का समय लगा था। एक रिपोर्ट्स के अनुसार, पिछले साल मार्च 2022 में पीडब्ल्यूडी ने हाईवे का निर्माण करने के बाद इसे एनएचएआई सौंप दिया था। यह हाईवे तीन राज्यों को आपस में जोड़ता है। जिसका सीधा लाभ दिल्ली, उत्तर प्रदेश और हरियाणा के वासियों को मिलता है। वहीं अब इसके चौड़ीकरण और बाईपास के निर्माण को लेकर राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने स्वीकृति दे दी है।21 गांव की 160 हेक्टर जमीन अधिग्रहण करने के लिए करीब 600 करोड़ मुआवजा दिया जाएगाअलीगढ़– पलवल हाईवे के नव.ीनीकरण और चौड़ीकरण निर्माण में करीब ढाई हजार करोड रुपए का बजट स्वीकृत किया गया है। इसमें 1500 करोड रुपए भूमि अधिग्रहण पर खर्च हा.ेंगे। इस मार्ग के चौड़ीकरण के लिए 31 गांव की जमीन को अधिग्रहण किया जाना है जिसमें 21 गांव को चिन्हित कर लिया गया है। इन 21 गांव की करीब 160 हेक्टर जमीन अधिग्रहण करने के लिए 600 करोड़ मुआवजा तय किया गया है।अर्राना, उदयगढ़ी, बांकनेर, गनेशपुर, नगला अस्सू, उसरह रसूलपुर, बुलाकीपुर, चौधाना, जरारा, ऐंचना, लक्ष्मणगढ़ी, राजपुर, रेसरी, जलालपुर, हीरपुरा, खेड़िया बुजुर्ग, इतवारपुर, डोरपुरी, श्यौराल, हामिदपुर व रसूलपुर।

अलीगढ़ में सार्वजनिक शौचालय के निर्माण पर बवालय आक्रोशित लोगों ने तोड़ा, विधायक पर दबंगई का आरोप

अलीगढ़: देहली गेट थाना क्षेत्र के पत्थर बाजार इलाके में सार्वजनिक शौचालय के निर्माण पर बवाल हो रहा गया. स्थानीय दुकानदारों और प्रॉपर्टी मालिक ने निर्माण कार्य का मंगलवार देर शाम को विरोध करते हुए गिरा दिया. मौके पर पुलिस भी पहुंच गई, लेकिन लोगों का गुस्सा देख कर शांत हो गई. स्थानीय दुकानदारों ने इगलास विधायक राजकुमार सहयोगी पर प्राइवेट प्रॉपर्टी पर जबरदस्ती शौचालय बनवाने का आरोप लगाया है.केशव कुमार ने आरोप लगाया कि उनकी जमीन पर बिना उनकी अनुमति के शौचालय बनवाया जा रहा था. स्थानीय निवासी गोपाल प्रसाद ने बताया कि इस निर्माण के लिए न तो स्थानीय लोगों से कोई सलाह ली गई और न ही उनकी सहमति ली गई. गोपाल ने कहा कि मेरी दुकान के सामने जबरन यह निर्माण कार्य कराया जा रहा था. अगर पब्लिक का भला करना है तो दूसरी जगहों पर भी शौचालय बनाया जा सकता है. स्थानीय निवासी प्रेम प्रकाश अग्रवाल ने बताया कि जब उन्होंने विधायक राजकुमार सहयोगी से बात की तो उन्होंने कहा कि यह निर्माण बनेगा. उनकी इस कथित धमकी से स्थानीय लोग नाराज हो गए और शौचालय को ध्वस्त कर दिया.दुकानदारों का आरोप है कि विधायक ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए जबरन निजी प्रॉपर्टी पर शौचालय का निर्माण कराया. प्रॉपर्टी मालिक और अन्य व्यापारियों का कहना है कि अगर विधायक को शौचालय बनवाना था तो सार्वजनिक जमीन या अन्य उपयुक्त स्थान पर निर्माण करवा सकते थे. कहा, अपनी जमीन पर शौचालय बनवाकर टिकट लगा दें, लेकिन दूसरों की प्रॉपर्टी पर इस तरह का कब्जा करना गलत है. लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि इस मामले की जांच की जाए और दोषियों पर कार्रवाई की जाएं.देहली गेट थाना क्षेत्र की पुलिस ने मामले की जानकारी मिलने के बाद शांति बनाए रखने की अपील की है. पुलिस ने आश्वासन दिया है कि शिकायत के आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी. हांलाकि विधायक राज कुमार सहयोगी ने बताया कि टायलेट का निर्माण कुछ दुक.ानदार मिलकर करा रहे थे. इससे उनका कोई लेना देना नहीं है. लोग गलत आरोप लगा रहे है.

अलीगढ़ में पहली बार बने वॉटर प्रूफ रैन बसेरे नगर निगम ने 5 चौराहों पर बनाए अस्थाई शेल्टर होम, पानी और ठंडी हवा से होगी राहत

उत्तर प्रदेश में इन दिनों कड़ाके की सर्दी और शीत लहर चलना शुरू हो गया है, ऐसे में अलीगढ़ प्रशासन की ओर से खुले आसमान और फुटपाथ पर जिंदगी गुजारने वाले लोगों के लिए रैन बसेरों का इंतजाम किया गया है. जगह–जगह पर रैन बसेरे बनाए जा रहे हैं ताकि बेसहारा लोगों को ठंड के कहर से बचाया जा सके. सर्दियां शुरू होते ही जिला प्रशासन के निर्देश पर निगम व निकाय क्षेत्रों में नियमित रैन बसेरों के साथ अस्थायी शेल्टर होम्स संचालित कर दिए गए हैं. रेलवे एवं बस स्टेशन के नजदीक नौरंगीलाल इंटर कॉलेज के पास 75 बेड का एक बड़ा अस्थायी शेल्टर होम स्थापित किया गया है. इसके साथ ही कंपनीबाग चौराहे के निकट नगर–निगम द्वारा 100 बेड का स्थायी शेल्टर होम भी क्रियाशील कर दिया गया है. अलीगढ़ प्रशासन ने बनवाए रैन बसेरे रैन बसेरों में अलाव के साथ ही निःशुल्क विश्राम करने की व्यवस्था, पेयजल, शौचालय, प्रकाश, प्राथमिक उपचार एवं सुरक्षा गार्ड की भी व्यवस्था की गई है. रैन बसेरों के संचालित होने से सर्दी के मौसम में यात्रियों समेत बेसहारा गरीब लोगों को इनमें आसरा मिल सकेगा. बढ़ती सर्दी के बीच खुले में फुटपाथ पर रहने वाले लोगों के लिए नगर निगम द्वारा जगह–जगह रैन बसेरे बनाए जा रहे हैं.नौरंगीलाल इंटर कॉलेज पर बनाए गए रैन बसेरे में गर्म बिस्तर का इंतजाम किया गया है. चारपाई पर बिछावन, रजाई–गद्दे और कंबल की व्यवस्था की गई है. रैन बसेरों में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराए जाने के संबंध में जिलाधिकारी द्वारा मजिस्ट्रेट समेत निगम के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए गए हैं. सर्दियों में ये रैन बसेरे उन बेसहारा लोगों के लिए बहुत बड़ा सहारा बन रहे हैं जिनके पास इस मौसम में सिर छुपाने के लिए न तो छत है और न सोने के लिए बिस्तर. सर्दी शुरू होते ही शहरी एवं निकाय क्षेत्र में स्थापित रैन बसेरों में राहगीरों का ठहराव शुरू हो गया है. जिलाधिकारी के सख्त निर्देश पर शेल्टर होम्स में बेहतर बुनियादी सुविधाएं की गई हैं. जिलाधिकारी ने पहले ही मजिस्ट्रेट, निगम एवं निकाय क्षेत्र के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वो देर शाम क्षेत्र भ्रमण कर सु.निश्चित करेंगे कि कोई व्यक्ति फुटपाथ पर खुले में न सोए. यदि कोई व्यक्ति फुटपाथ पर लेटा पाया जाता है तो उसे नजदीक के शेल्टर होम में पहुंचाया जाए.

मुख्यमंत्री डैश बोर्ड उत्तर प्रदेश की नवम्बर की रैंकिंग में अलीगढ़ नगर निगम आया दूसरे पायेदान पर–नगर आयुक्त ने अधिकारियों व कर्मचारियों को दी बधाई

अलीगढ़ मुख्यमंत्री डैशबोर्ड उत्तर प्रदेश द्वारा जारी रैंकिंग में अलीगढ़ नगर निगम ने प्रदेश में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि नगर निगम की कुशल और प्रभावी कार्यशैली का परिणाम है। नवम्बर की जारी रैंकिंग में लखनऊ प्रथम अलीगढ़ दूसरे गाजियाबाद तीसरे कानपुर नगर चौथे और सहारनपुर पांचवे स्थान पर आया है पिछली रैंकिंग में अलीगढ़ तीसरे पायेदान पर था लेकिन नवम्बर में अलीगढ़ ने 1 रैंक की छलांग लगाते हुए दूसरा पायेदान हासिल हुआ है।नगर आयुक्त विनोद कुमार ने इस अवसर पर, हम अलीगढ़ नगर निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों को हृदय से बधाई देते हैं। उनकी मेहनत और समर्पण ने नगर निगम को इस ऊंचाई पर पहुंचाया है।नगर आयुक्त ने बताया कि इस उपलब्धि के पीछे कई कारक हैं, जिनमें से कुछ प्रमुख हैं जिसमे प्रमुख रूप से कुशल प्रशासनरू अलीगढ़ नगर निगम के अधिकारियों ने अपनी कुशल प्रशासनिक क्षमताओं का प्रदर्शन किया है। प्रभावी सेवाएंरू नगर निगम ने अपने नागरिकों को प्रभावी और तेजी से सेवाएं प्रदान की हैं। उन्होंने कहा हमें उम्मीद है कि अलीगढ़ नगर निगम इसी तरह की उपलब्धियां हासिल करता रहेगा और अपने नागरिकों को बेहतर सेवाएं प्रदान करता रहेगा।

गोरा बनाने का दावा फेयरनेस क्रीम को पड़ा महंगा

कोर्ट ने लगाया 15 लाख रूपये का जुर्माना

फेयरनेस क्रीम बनाने वाली कंपनी इमामी (म्उंउप) पर उपभोक्ता फोरम ने 15 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है. फोरम ने यह जुर्माना एक व्यक्ति की शिकायत पर लगाया, जिसका आरोप है कि चेहरे को गोरा बनाने के लिए कंपनी का बनाया गया प्रोडक्ट श्फेयर एंड हैंडसमश् के दावे भ्रामक हैं. शिकायतकर्ता का नाम निखिल जैन है, जो 35 साल के हैं और पेशे से एक बैंकर हैं. निखिल को यह जीत 12 साल लंबी कानूनी लड़ाई के बाद मिली. निखिल ने इमामी को कोर्ट तक घसीटा कंपनी का दावा था कि महज तीन हफ्ते तक रोजाना इस क्रीम के इस्तेमाल से चेहरा गोरा हो जाएगा, लेकिन ऐसा करने के बाद भी जब निखिल को कोई फर्क नजर नहीं आया, तो उसने कंपनी को कटघरे में लाने के बारे में सोचा.साल 2013 में निखिल ने कन्ज्यूमर कोर्ट में इमामी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई. इस दौरान दोनों पक्षों की तरफ से दलीलें पेश की गईं और आखिरकार फैसला निखिल के हक में आया. कोर्ट ने निखिल के हक में सुनाया फैसला अपना फैसला सुनाते हुए दिल्ली के उपभोक्ता अदालत ने कहा, यह साफ है कि इमामी की बनाई गई क्रीम फेयर एंड हैंडसम की पैकेजिंग पर दिए गए निर्देश अस्पष्ट हैं.कंपनी ने दावा किया है कि इस क्रीम के तीन हफ्ते तक रोजाना इस्तेमाल से पुरुषों की त्वचा गोरी हो जाएगी, जबकि कंपनी को पता है कि पै. केजिंग पर दिया गया निर्देश आधा–अधूरा होने की वजह से यह अपने किए गए दावों पर खरा नहीं उतरेगा. आयोग ने कंपनी को दिल्ली राज्य उपभोक्ता के कल्याण कोष में 14.5 लाख रुपये और निखिल जैन को हर्जाने के रूप में 50,000 रुपये और मुकदमे में हुए खर्चे की भरपाई के रूप में 10,000 रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया है. 2015 में भी इमामी पर कोर्ट ने लगाया था जुर्मानायह दूसरी दफा है जब इमामी पर इसी मामले को लेकर जुर्माना लगाया गया. 2015 में भी उपभोक्ता आयोग ने

शिकायतकर्ता के हक में फैसला सुनाते हुए इमामी को 15 लाख रुपये का जुर्माना भरने का आदेश दिया था. ।हालांकि, कंपनी की अपील के बाद उस आदेश को खारिज कर दिया गया. सोमवार को आए इस फैसले के बाद अब नए सिरे से सुनवाई के लिए मामले को जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (केंद्रीय जिला) के पास वापस भेज दिया गया.

दुनिया में बजेगा भारतीय ग्रेजुएट्स का डंका,कई बड़ी कंपनियों में की जाएगी भर्ती

भारतीय युवाओं के रोजगार की का. बिलियत बढ़ती जा रही है. मंगलवार को जारी इंडिया स्किल्स रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ. जहां पिछले साल भारतीय स्नातकों की रोजगार काबिलियत 51.2 थी, वहीं साल 2025 में इसके 55 फीसदी तक पहुंचने का अनुमान लगाया गया है. यानी तेजी से आगे बढ़ रही वै. श्विक अर्थव्यवस्था की जरूरतों को पूरा करने में भारतीय युवा बेहतर योगदान देने की क्षमता रखते हैं. दुनिया भर में बढ़ेगी इन विषयों में ग्रेजुएट्स की मांग व्हीबॉक्स और ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन (।प्ब्ज्) के साथ मिलकर उद्योग मंडल सीआईआई ने तैयार किया. इसमें बताया गया कि साल 2025 में वैश्विक स्तर पर मैनेजमेंट ग्रेजुएट्स (78 फीसदी) की रोजगार का. बिलियत सबसे अधिक है. इसके बाद इंजीनियरिंग (71.5 प्रतिशत), एमसीए के स्टूडेंट्स (71 प्रतिशत) और विज्ञान से ग्रेजुएट होने वालों (58 प्रतिशत) का स्थान है.पुरुषों के लिए रोजगार दर में इजाफरिपोर्ट में यह भी कहा गया कि महाराष्ट्र, कर्नाटक और दिल्ली जैसे शहरों में युवा प्रतिभाओं को रोजगार देने के अवसर बढ़ रहे हैं, जबकि पुणे, बेंगलुरु और मुंबई जैसे शहर कुशल कार्यबल उपलब्ध कराने के मामले में अग्रणी हैं.रिपोर्ट में ये भी बात निकलकर सामने आई कि साल 2025 में 2024 के मुकाबले पुरुषों के लिए रोजगार दर 51. 8 फीसदी से बढ़कर 53.5 फीसदी होने की संभावना है। वहीं महिलाओं के लिए रोजगार दर 50.9 फीसदी से घटकर 47. 5 फीसदी होने का अनुमान है. आने वाले समय में वैश्विक अर्थव्यस्था में भारतीय युवा बढ़–चढ़कर हिस्सा ले सके इसके लिए उन्हें गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण दिए जाने की आवश्यकता अभी से है.इन सेक्टर में सबसे अधिक होगी रिक्रूटमेंट की एक अन्य रिपोर्ट –2025' में बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2026 में रोजगार के अधिक मौके मिलेंगे. इस दौरान 9.8 फीसदी हायरिंग होने की उम्मीद है. इनमें इंजीनियरिंग फर्मो,
बैंकिंग और अन्य वित्तीय उद्योगों में सबसे अधिक (12 फीसदी) भर्ती ली जाएगी, 11.5 फीसदी के साथ कोर इंडस्ट्री दूसरे और एफएमसीजी इंडस्ट्री 10 फीसदी के साथ तीसरे स्थान पर है.

सपनों का घर बनाना हुआ और महंगा, देशभर में बढ़ गई सीमेंट की कीमतें

घर बनाना अब और महंगा हो गया है. इसकी वजह गै सीमेंट के दामों में बढ़ोतरी. देशभर में सीमेंट की 50 किलो वाले बैग की कीमतों में 5 से 20 रुपये प्रति बैग की बढ़ोतरी देखी जा रही है. मानसून खत्म होने के बाद सीमेंट की डिमांड बढ़ जाती है. इस डिमांड को भ. ूनाने के लिए देशभर में सीमेंट डीलर्स ने कीमतें बढ़ा दिए है. पिछले 4–5 महीने से सीमेंट के दाम फ्लैट रहे थे. इससे सीमेंट डीलर्स के मार्जिन में कमी आ गई थी तो सीमेंट कंपनियों के मुनाफे पर भी असर दखा जा रहा था. ईटी की रिपोर्ट के मुताबिक दिसंबर की शुरुआत से देशभर में सीमेंट डीलर्स ने कीमतों में बढ़ोतरी कर दी है. रियल एस्टेट सेक्टर में कंट्रक्शन के जोर पकड़ने के बाद सी. मेंट की डिमांड में जोरदार उछाल देखा जा रहा है. फेस्टिव सीजन के खत्म होने के बाद लेबर उपलब्धता बढ़ गई है. ऐसे में इंफ्रास्ट्रक्चर से लेकर रियल एस्टेट सेक्टर में कंट्रक्शन ने जोर पकड़ लिया है. इसके चलते सीमेंट की मांग में तेजी आई है. देश के पश्चिमी क्षेत्र में डीलर्स ने 5–10 रुपये प्रति बैग सीमेंट के दाम बढ़ा दिए हैं. इस रीजन में सीमेंट की कीमतें 350–400 रुपये प्रति बैग हो गई है. पूर्वी राज्यों में सबसे ज्यादा सीमेंट की कीमतों में इजाफा देखा जा रहा है. इस रीजन में 30 रुपये प्रति बैग तक सीमेंट महंगा हो गया है. दिल्ली में सीमेंट डीलर्स ने 20 रुपये प्रति बैग तक सीमेंट के दाम बढ़ा दिए हैं. दक्षिण राज्यों में 40 रुपये प्रति बैग तक कीमतें बढ़ गई है. इनक्रेड इक्विटीज रिपोर्ट के मुताबिक दि. संबर में सभी रीजन में 10–15 रुपये प्रति बैग तक सीमेंट के दामों में बढ़ोतरी होगी. चुनावों और मानसून के कारण कंट्रक्शन में डिसरप्शन देखने के बाद आधारभूत ढांचे पर काम में तेजी आने की उम्मीद है. सरकार की ओर से मौज. ूदा वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में कै. पिटल एक्सपेंडिटर में तेजी आएगी. इसे भूनाने के लिए सीमेंट के दाम बढ़ा दिए गए हैं. बहरहाल सीमेंट के दामों में बढ़ोतरी के बाद हाउसिंग सेक्टर में कंस्ट्रक्शन लागत का बढ़ना तय है जिसका खामियाजा यूजर्स को उठाना होगा. हाल ही में रियल एस्टेट कंसलटेंट कोलियर्स इंडिया ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि बिल्डिंग मटेरियल्स और लेबर कॉस्ट के महंगे होने के चलते हाउसिंग प्रोजेक्ट्स के औसत कंस्ट्रक्शन लागत में बीते चार सालों में 39 फीसदी का उछाल आया है. कोलियर्स इंडिया के डेटा के मुताबिक अक्टूबर 2020 में प्रीमियम हाउसिंग प्रोजेक्ट्स (Premium Housing Project) में औसत कंस्ट्रक्शन लागत 2000 रुपये प्रति वर्ग फुट था जो मौजूदा वर्ष 2024 के अक्टूबर महीने में बढ़कर 2780 रुपये प्रति वर्ग फुट पर जा पहुंचा है. यानि पिछले चार सालों में कंस्ट्रक्शन कॉस्ट में 780 रुपये प्रति वर्ग फुट बढ़ा है. डेटा के मुताबिक पिछले एक साल में हाउसिंग प्रोजेक्ट्स के कंस्ट्रक्शन की औसत लागत में 11 फीसदी की बढ़ोतरी आई है. लेबर कॉस्ट में बड़ी बढ़ोतरी के साथ रेत, ईंट, कांच, लकड़ी जैसी कंस्ट्रक्शन सामग्री की कीमतों में इजाफा के चलते घरों का निर्माण करना महंगा हुआ है. सीमेंट, स्टील, कॉपर और एल्युमीनियम की कीमतों में मामूली बढ़ोतरी देखने को मिली थी. लेकिन लेबर कॉस्ट में एक साल में 25 फीसदी की बढ़ोतरी के चलते कंस्ट्रक्शन कॉस्ट में बड़ा इजाफा देखने को मिला है.

एडवांस टैक्स जमा करने की तारीख नजदीक, चूक गए तो लगेगा जुर्माना

अग्रिम कर (एडवांस टैक्स) की तीसरी किश्त भरने का समय नजदीक आ रहा है. 15 दिसंबर तक एडवांस टैक्स की तीसरी किश्त भरनी है. यह एक तरह का इनकम टैक्स होता है, जिसका भुगतान वित्त वर्ष खत्म होने से पहले कर दिया जाता है. यह चार किश्तों में जमा होता है. 15 जून तक 15 फीसदी तक, 15 सितंबर तक 45 फीसदी, 15 दिसंबर तक 75 फीसदी और 15 मार्च तक 100 फीसदी तक टैक्स का भुगतान करना पड़ता है. निर्धारित तिथि के अंदर टैक्स का भुगतान न कर पाने की स्थिति में पेनाल्टी देनी पड़ती है.ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों मोड में कर सकते हैं जमाइसे आप ऑनलाइन या ऑफलाइन दोनों मोड से जमा करा सकते हैं. ऑनलाइन पेमेंट के लिए आपको इनकम टैक्स की ऑफिशियल वेबसाइट पर जाना होगा, जबकि ऑफलाइन मोड में आप टैक्स का भुगतान बैंक के ब्रांच में जाकर कर सकते हैं.इन्हें देना होता है एडवांस टैक्सएडवांस टैक्स व्यक्ति की संभावित आय पर देना होता है. जो लोग नौकरी, फ्रीलांसिंग या बिजनेस के जरिए एक वित्त वर्ष में (टीडीएस घटाकर) 10,000 रुपये या उससे अधिक टैक्स देने लायक आमदनी करते हैं, उन्हें एडवांस टैक्स चुकाना पड़ता है.टैक्स का भुगतान भले ही एडवांस किया जाता है, लेकिन इसका हिसाब साल भर में होने वाली आमदनी को ध्यान में रखते हुए लगाया जाता है. अगर आपकी सैलरी टैक्स देने लायक है, तो कंपनी ज्वै काटकर सरकार के पास जमा कराती है. ऐसे लोगों को अलग से टैक्स का भुगतान नहीं करना पड़ता है. इसके कई फायदे हैं. एडवांस टैक्स चूंकि किश्तों में जमा कराया जाता है इसलिए सरकार के पास साल भर पैसे का फ्लो बना रहता है. इससे अर्थव्यवस्था को बल मिलता है. सरकार को किसी योजना पर काम करने के लिए लगने वाली रकम का अनावश्यक रूप से नहीं करना पड़ता है. एडवांस टैक्स चुकाकर आप देश के विकास में योगदान देते हैं और इससे विकसित भारत के निर्माण को मजबूती मिलती है.

10 सालों में ऐसे बदली भारतीयों की आदत खान–पान, घूमने या हेल्थ में से किस पर कर रहे ज्यादा खर्च

पिछले 10 सालों में भारतीयों ने अपनी खर्चों की आदतों में जो बदलाव किया है, उसको लेकर एक ताजा रिपोर्ट चौंक. ाती है. साल 2013 से साल 2023 के दौरान भारतीयों ने हेल्थकेयर और एजूक. ेशन सेक्टर पर ज्यादा खर्च किया है, जबकि इससे पहले खाने–पीने, कपड़ों और घर पर भारतीयों का ज्यादा फोकस रहा था.नेशनल अकाउंट स्टैटिस्टिक्स 2024 के आंकड़ों के मुताबिक जानें रुझानपिछले 10 सालों मे भारतीय कस्टमर्स का ध्यान खान–पान, कपड़ों से ज्यादा सेवाओं की तरफ रहा है. नेशनल अकाउंट स्टैटिस्टिक्स 2024 के आंकड़ों के मुताबिक पिछले 10 सालों में भारतीय कंज्यूमर्स भोजन, कपड़े और आवास से हटकर सर्विसेज की ओर ज्यादा खर्च बढ़ा रहे हैं. वित्त वर्ष 2013 और वित्त वर्ष 2023 के बीच निजी अंतिम उपभोग व्यय (च्ब्म्) में आवश्यक वस्तुओं की हिस्सेदारी में गिरावट आई है, जबकि हेल्थकेयर और एजूकेशन सहित अन्य पर हिस्स. ेदारी बढ़ी है. इसके आधार पर माना जा सकता है कि ये सर्विस इकोनॉमी की तरफ बढ़ती रुचि का इंडीकेटर है.10 सालों में हेल्थ और एजूकेशन का बढ़ा इतना हिस्सा10 सालों में हेल्थ पर खर्च 8.2 फीसदी की दर से बढ़ा है और एजूकेशन पर 7.5 फीसदी की ग्रोथ देखी गई है. इसके दम पर पिछले 10 सालों में निजी अंतिम उपभोग व्यय (च्ब्म्) में कुल मिलाकर औसत 6 फीसदी की ग्रोथ देखी गई हैघरेलू खर्चों में होने वाला खर्च घटाघरेलू खर्चों में होने वाला खर्च 16.4 फीसदी से गिरकर 13 फीसदी पर आ गया है और कपड़ों पर होने वाला खर्च 6.1 फीसदी से घटकर 4.8 फीसदी पर आ गया है. ट्रांसपोर्ट सेक्टर में 8.2 फीसदी की ग्रोथ देखी गई है और कम्यूनिकेशन के खर्चों में 7.8 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई है.टॉप 3 खर्चों वाले एरिया को देखेंटॉप 3 खर्चों वाले एरिया को देखें तो खान–पान में 27.8 परसेंट, ट्रांसपोर्ट सर्विसेज में 9.3 फीसदी, हाउसिंग रेंटल में 9.2 फीसदी, निजी ट्रांसपोर्ट ऑपरेशन में 6.8 फीसदी और ब्रेड व अनाज के खर्चों में 6.3 फीसदी का खर्च दर्ज किया गया है.

तीन दिनों की गिरावट के बाद बाजार में हरियाली लौटी

. सेंसेक्स-निफ्टी मामूली बढ़त के साथ बंद

शेयर बाजार बुधवार को लगभग सपाट बंद हुआ। हालांकि, तीन दिनों की गिरावट के बाद प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक हरे निशान पर बंद होने में सफल रहे। बुधवार को बीएसई सेंसेक्स 13.34 अंकों की गिरावट के साथ 81,496.70 पर बंद हुआ, जबकि एनएसई निफ्टी 20.25 अंकों की गिरावट के साथ 24,630.30 पर बंद हुआ। निफ्टी 50 इंडेक्स पर बाजार का रुख मिला–जुला रहा, जिसमें 26 शेयरों में बढ़त और 23 में गिरावट दर्ज की गई।सबसे ज्यादा लाभ पाने वालों में ट्रेंट, बजाज फाइनेंस, ब्रिटानिया, श्रीराम फाइनेंस और हीरो मोटोकॉर्प शामिल थे, जिनमें उल्लेखनीय खरीदारी देखी गई। इसके विपरीत, जेएसडब्ल्यू स्टील, अदाणी पोर्ट्स, एनटीपीसी, एसबीआई और एक्सिस बैंक सबसे ज्यादा हारने वालों में से थे, जिससे सूचकांक नीचे गिर गए।विदेशी नि. वेशकों ने मंगलवार को 1,285 करोड़ रुपये की इक्विटी खरीदकर अपना तेजी का रुख जारी रखा, जो निकट अवधि की अस्थिरता के बावजूद भारतीय बाजारों में निरंतर रुचि का संकेत देता है। व्यापारी और निवेशक आज के लिए निर्धारित एक महत्वपूर्ण घटना, अमेरिकी उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (ब्व्) यानी महंगाई के आंकड़े जारी होने पर उत्सुकता से नजर बनाए हुए हैं।जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, श्भारतीय बाजार ने सूक्ष्म आंदोलनों का प्रदर्शन किया, जो यूएस सीपीआई मुद्रास्फीति डेटा जारी होने से पहले वैश्विक बाजारों में प्रचलित मिश्रित भावनाओं को दर्शाता है, जो फेड नीति को प्रभावित कर सकता है। अमेरिकी डॉलर मजबूत हुआ, जबकि बॉन्ड प्रतिफल में मामूली उछाल देखा गया। उन्होंने कहा, एफएमसीजी और फार्मास्यूटिकल्स सहित रक्षात्मक क्षेत्रों में उछाल आया। इसके अतिरिक्त, धातु क्षेत्र में चीन से संभावित प्रोत्साहन उपायों के बारे में आशावाद से प्रेरित लाभ देखा गया।

बिल गेट्स का भी निकल जाएगा दिवाला

इलेक्ट्रिक कार बनाने वाली कंपनी टेस्ला के मालिक एलन मस्क सोशल मीडिया पर अपनी बयानबाजी को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहते हैं. एलन मस्क ने एक्स पर शेयर अपने एक पोस्ट में लिखा, अगर टेस्ला दुनिया की अब तक की सबसे महंगी कंपनी बन जाती है, तो माइक्रोसॉफ्ट के को–फाउंडर बिल गेट्स तक दिवालिया हो सकते हैं.मौजूदा समय में टेस्ला का बाजार पूंजीकरण 1.251 ट्रिलियन डॉलर है, जो दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी ।चचसम प्दब. से बहुत पीछे है. एप्पल 3.729 ट्रिलियन डॉलर के साथ इस लिस्ट में सबसे आगे है. अगर टेस्ला को लिस्ट में पहला स्थान हासिल करना है, तो इसके लिए कंपनी को लगभग 200 फीसदी तक बाजार पूंजीकरण को बढ़ाने की आवश्यकता होगी.क्या होता है शॉर्ट पोजीशन एलन मस्क ने अपने ट्वीट में लिखा है, अगर टेस्ला दुनिया की अब तक की सबसे मूल्यवान कंपनी बन जाती है, तो वह शॉर्ट पोजीशन बिल गेट्स को भी दिवालिया बना देगी. शेयर बाजार में शॉर्ट पोजीशन लेने का मतलब है कि इंवेस्टर के पास कोई स्टॉक न होते हुए भी वह इस उम्मीद के साथ उसे ब्रोकर से उधार लेकर बेचता है कि बाद में इसकी कीमत में गिरावट आएगी और तब वह इसे अधिक कीमत में बेचेगा. इसका मकसद स्टॉक की कीमत में आई गिरावट से प्रॉफिट कमाना है. टेस्ला के खिलाफ गेट्स ने खेला बड़ा दांवदरअसल, एलन मस्क का बिल गेट्स पर आरोप है कि उन्होंने टेस्ला के खिलाफ करीब 2 अरब डॉलर का दांव लगाया हुआ है, जिसके चलते गेट्स को कथित तौर पर 1.5 बिलियन डॉलर का नुकसान उठाना पड़ा है. इसका जिक्र साल 2023 में वाल्टर इसाकसन की लिखी मस्क की बायोग्राफी में है.इस दौरान मस्क का एक पुराना ट्वीट वायरल हुआ, जिसमें उन्होंने कहा कि ष्टेस्ला के खिलाफ शॉर्ट पोजीशन लेना, जैसा कि गेट्स ने किया है, इसमें सबसे ज्यादा रिटर्न तभी मिलता है जब कोई कंपनी दिवालिया हो जाती है!

आवश्यकता है
हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र जननायक सम्राट के लिए जिला व्यूरो चीफमंडल व्यूरो चीफ ब्लाक ,ब्यूरो संवाददाता की आवश्यकता है।
सम्पर्क करें –
अमित कुमार वर्मा –संम्पादक
मौ:–8218049162,8273402499

जननायक सम्राट
हिंन्दी साप्ताहिक
मालिक,मुद्रक, प्रकाशक आरती वर्मा द्वारा आशु प्रिंटिंगप्रेस,अचलताल अलीगढ़ से मुद्रितकराकर . कार्यालय सरोज नगर गली नम्बर 5,अलीगढ़ से प्रकाशित
सम्पादक–अमित कुमार वर्मा
सभी विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद अलीगढ़ न्यायलय ही होगा